भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान
वर्सोवा, मुंबई – 400061

संस्थान में हिंदी चेतना मास का समापन

संस्थान में दिनांक 02-30 सितंबर 2024 के दौरान आयोजित हिंदी चेतना मास का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 30 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध साहित्यकार एवं पत्रकार श्री विश्वनाथ सचदेव जी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक व कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. ने की।

मुख्य अतिथि ने कहा कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त हुए 75 वर्ष हुए हैं, फिर भी हमें हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा, हिंदी माह आदि मनाना पड़ रहा है। यह दुर्भाग्य है। संस्थान में आयोजित हिंदी चेतना मास के संदर्भ में मुख्य अतिथि ने कहा कि आपने संस्थान के कर्मचारियों के बीच हिंदी की चेतना जगाने का कार्य किया है। वर्तमान समय में यह अत्यंत आवश्यक है। हिंदी के विकास से भारतीय भाषाओं का भी विकास होगा। इसलिए हमें 'हिंदी दिवस' को 'भारतीय भाषा दिवस' के रूप में मनाना चाहिए। हमें अपनी भाषा पर गौरव की भावना होनी चाहिए। हिंदी के विकास के लिए सरकार द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन हमें अपनी तरफ़ से प्रयास करना चाहिए, तभी सफलता हासिल होगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारी पहचान अपनी भाषा होनी चाहिए। विश्व भाषा होने के नाते अंग्रेज़ी जानना ज़रूरी है। लेकिन अपनी भाषाओं के ऊपर अंग्रेज़ी को प्रतिष्ठित करना गलत है। इस अंग्रेज़ियत की भावना से हमें मुक्त होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 'मुझे अंग्रेज़ी आती है' इस पर गर्व करने की अपेक्षा 'मुझे भारतीय भाषाएँ आती है' इस पर गर्व करना चाहिए। अपनी भाषा के प्रति गर्व की भावना उत्पन्न करना ही चेतना जगाना होता है। हिंदी चेतना मास का आयोजन इस संदर्भ में सार्थक है। हिंदी में काम सहज और सरल रूप से करना चाहिए। हम बोलचाल में सरल और सहज शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, काम करते समय भी उसी का प्रयोग करना चाहिए तब यह सहजता अपने आप आएगी। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेज़ी की बहुलता के कारण प्रादेशिक भाषाएँ समाप्त होने के कगार पर हैं। इस पर हमें विचार करना चाहिए।

निदेशक व कुलपति डॉ. रविशंकर ने कहा कि हिंदी भाषा भारत की अस्मिता का प्रतिक है। हिंदी बोलने या हिंदी में काम करने में हमें गौरव महसूस करना चाहिए। हमें अच्छी हिंदी सीखनी चाहिए, आजकल टीवी चैनलों और अन्य सामूहिक माध्यमों में दिखने वाली हिंदी से हमें बचना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि कार्यालयीन कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ाएँ। उन्होंने संस्थान समस्त कार्मिकों को आह्वान किया कि हिंदी में अधिकाधिक काम करें।

इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने कहा कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त हुए 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं। फिर भी कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग उतना हुआ नहीं है, जितना होना चाहिए था। हमें प्रादेशिक भाषाओं को भी बढ़ावा देना चाहिए। हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है, लेकिन हमें हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग्त करना चाहिए। सरकारी कामकाज में हिंदी का निरंतर प्रयोग करते रहिए और अगले वर्ष देखिए कि इसमें कितनी प्रगति हुई है।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित द्विभाषी समाचार पुस्तिका 'मत्स्य दर्पण' का विमोचन भी किया गया।

श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने अतिथियों का स्वागत किया और श्री प्रताप कुमार दास ने आभार व्यक्त किया। श्रीमती रेखा नायर, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया ।

ICAR-Central Institute of Fisheries Education
Versova, Mumbai – 400061

Concluding Ceremony of Hindi Chetna Maas at the Institute

The valedictory and prize distribution ceremony of Hindi Chetna Maas, which was held during 02-30 September 2024, organized at the institute on 30 September 2024, in which famous writer and journalist Shri Vishwanath Sachdev ji was the Chief Guest. The program was presided over by Dr. Ravi Shankar C.N., Director and Vice Chancellor of the Institute.

The Chief Guest said that it has been 75 years since Hindi got the status of Official Language, yet we have to celebrate Hindi Week, Hindi Fortnight, Hindi Month etc. for the promotion of Hindi. This is unfortunate. In the context of Hindi Chetna Mas organized at the Institute, the Chief Guest said that you have done a great job of awakening Hindi consciousness among the employees of the institute. This is very necessary in the present situation. Other Indian languages will also progress when Hindi progress. Therefore, we should celebrate 'Hindi Diwas' as 'Indian Language Day'. We should have a sense of pride in our language. Many efforts are being made by the government for the promotion of Hindi, but we should make efforts from our side, only then we will achieve success. He further said that our identity should be our language. Being a world language, it is important to know English. But it is wrong to place English over our languages. We should be free from the mentality of English is superior. He also said that instead of feeling proud in knowing English, we should feel proud that we know more Indian languages. To generate a feeling of pride towards one's own language is to awaken his/her consciousness. Organizing Hindi Chetna Maas is meaningful in this context. Work should be done in Hindi in a natural and simple way. We use simple and easy words in conversation, we should use the same while working, then this ease will come automatically. He further said that due to the predominance of English in the field of education, regional languages are on the verge of extinction. We should seriously think about this.

Director and Vice Chancellor Dr. Ravi Shankar,C.N. said that Hindi language is a symbol of India's identity. We should feel proud in speaking Hindi or working in Hindi and we have to learn good Hindi and also we should avoid the Hindi that is seen nowadays on TV channels and other mass media. It is our responsibility to increase the use of Hindi language in official work. He called upon all the employees of the institute to work as much as possible in Hindi.

On this occasion, the Joint Director of the Institute, Dr. N.P. Sahu said that 75 years have passed since Hindi got the status of official language. Still, the official language Hindi has not been used as much in office work as it should have been. We should also promote regional languages. Every possible effort is being made by the government to promote the use of Hindi, therefore, we should use Hindi as much as possible in official work. Use Hindi continuously in official work, and see the progress next year.

On this occasion, the bilingual news booklet 'Matsya Darpan' published by the institute was also released.

Mr. Pratap Kumar Das, Chief Technical Officer presented a report on the activities carried out during Hindi Chetna Maas.

Shri Jagadeesan A.K., Joint Director (OL) welcomed the guests and Shri Pratap Kumar Das proposed vote of thanks. Mrs. Rekha Nair, Assistant Chief Technical Officer compeered the programme.